सरकारी बसों के चलने की जानकारी से निजी संचालक चिंतित

नवभारत न्यूज

पन्ना 1 मार्च। जब से प्रदेश में राज्य परिवहन निगम को समाप्त किया गया है तब से निजी बस संचालकों को मनमानी कमाई करने का अच्छा अवसर मिला है। किन्तु जब सरकार अब अनुबंध पर समूचे प्रदेश में बसों का संचालन करने जा रही है तो उन्हीं बस संचालकों को तकलीफहो रही है। अब वे यात्री बसों के किराये में वृद्धि और टैक्स का बहाना ले रहे हैं।

यही बस संचालक कोरोना के समय पर जनता को जमकर लूटने का प्रयास किया। फिर सरकार से भी छूट के नाम पर लाभ लिया। ये दोनों हाथों से सरकार व जनता दोनों को लूटना चाहते हैं। किन्तु जिस तरह से विरोध के स्वर उभर रहे हैं उसको देखते हुये ऐसा लगता है कि बस संचालकों को बड़ा झटका लगने की संभावना है लिहाजा वे अभी से ही माहौल बनाना शुरू कर चुके हैं।

रूट व परमिटों में हो सकता है सरकारी हस्तक्षेप:- यह भी हो सकता है कि सरकार से अनुबंधित बसों का संचालन होता है तो कई महत्वपूर्ण एवं व्यस्त मार्गों की निजी बसों के परमिट में भी सरकार का हस्तक्षेप हो सकता है। राज्य परिवहन निगम के समय पर जिन रूटों पर सरकारी बसों का संचालन हो रहा था उनमें कई रूटों के परमिट भी वापस लिये जा सकते हैं। वहीं कई नये रूटो को भी वापस लिया जा सकता है। लोकहित में जनता को राहत देने के लिये सरकार को अधिकार है कि वह कोई भी जरूरी निर्णय ले सकती है। खबर तो यहां तक आ रही है कि सरकारी अनुबंध पर चलने वाली बसों के लिये कर्मचारियों की भी संविदा पर भर्ती होने वाली है। इसका मतलब है कि सरकार की तरफसे पूरी तैयारी हो चुकी है। इसलिये बस संचालकों को अभी से ही खतरा दिखाई देने लगा है। लिहाजा वे हड़ताल के नाम पर सरकार को घेरने का प्रयास शुरू करना चाहते हैं।

15 साल पुरानी बसों पर अब नहीं होगी मेहरबानी

जैसा कि नियम व निर्देश है कि 15 साल पुरानी यात्री बसों को कबाड़ मान लिया जाता है। लिहाजा इस तरह की बसों का संचालन नहीं होना चाहिये। किन्तु यहां परिवहन विभाग के भ्रष्ट अधिकारियों की कृपा से कई ऐसी बसों का भी संचालन होता रहता है। जब इस तरह की बसें दुर्घटनाग्रस्त होती हैं तब परिवहन विभाग की पोल खुलती है। किन्तु इस नये प्रयोग में ऐसी बसों को भी खतरा है जो 15 साल पुरानी होने के बाद भी चल रही हैं। इसलिये ऐसी बसों के संचालकों को भी चिन्ता हो रही होगी तो अब उन बसों को कबाड़ के भाव बिक्री करना होगा। ऐसे कई सवाल हैं जो निकट भविष्य में जबाव के साथ सामने होंगे। जहां परिवहन विभाग और सरकार दोनों की बड़ी भूमिका होगी। वहीं विरोध करने वाले बस संचालक भी दबाव बनाने का प्रयास करेंगे। किन्तु सबसे बड़ा सवाल यह है कि सड़कें सरकारी हैं इसलिये सरकारी संपति होने से वह लोकहित में जैसा चाहेगी वैसा निर्णय ले सकती है। यही बस संचालक कोरोना के समय पर जनता को जमकर लूटने का प्रयास किया। फिर सरकार से भी छूट के नाम पर लाभ लिया। ये दोनों हाथों से सरकार व जनता दोनों को लूटना चाहते हैं। जहां तक सवाल जनता है यदि सरकारी परिवहन सेवा में उसे लगता है कि यात्री किराये में कोई वृद्धि हुई तो वह विरोध कर सकता है किन्तु ऐसा अभी दिखाई नहीं दे रहा है।

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ का हुआ समापन

नवभारत न्यूज

सलेहा/पन्ना 1 मार्च। रविवार की शाम दोपहर 3 बजे जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में गजरथ फेरी के दिव्य दर्शन के श्रावकों और दर्शकों का सैलाब उमड़ पड़ा।

मंगल के प्रतीक गजराज, ऐरावत स्वरूप श्याम वर्ण रंग के हाथी, भगवान के पांच सुसज्जित रथ, मातृ शक्ति के दिव्य घोष के बीच आचार्य विशुद्ध सागर ,गणिनी आर्यिका विंध्य श्री माता एवं ससंघ सान्निध्य में इंद्र-इंद्राणियों ने गजरथ फेरी की तो धरती पर इंद्रासन का दृश्य निर्मित हो गया। स्थानीय के अलावा अन्य राज्यों के लोग भी धर्म प्रभावना के साक्षी बने,सलेहा में धर्मधानी का अहसास हुआ। गजरथ महोत्सव में रविवार को सुबह जाप, नित्याभिषेक, कैलाश पर्वत से भगवान का मोक्ष गमन ,गुण रोपण, मोक्ष कल्याण, संघ पूजा, विश्व शांति हवन,दशांश, पूर्णाहूति, हवन अवरोहण, शांति पाठ, आहार चर्या ,मोक्ष कल्याणक का विधान पूर्ण हुआ। धार्मिक जिन वाणी व संगीत की मधुर प्रस्तुति हुई। शाम में गजरथ की फेरी दिव्य जयघोष के साथ शुरू हुई। तपती धूप में भी सैकड़ों इंद्र-इंद्राणियों ने नंगे पाव चलकर सात फेरी पूरी की। इनकी जुबां पर णमोकार मंत्र और चेहरे पर आस्था के भाव थे। पवित्रता के लिहाज से अनुष्ठान में शामिल लोगों को ही गजपथ पर प्रवेश दिया गया था। जिन लोगों को प्रवेश नहीं मिला, उन्होंने बाहर गजपथ के किनारे चलकर जिन भक्ति की। रथों से रत्न वर्षा स्वरूप मोतियां बिखेरी गईं। पाषाण से परमात्मा का अनुष्ठान आज पूर्ण हुआ। गजरथ महोत्सव कार्यक्रम को देखने के लिए हजारों की तादात में लोग एकत्रित हुए, गजरथ में हाथी ,घोड़ा ,ऊंट तथा विशेष सुसज्जित वाहन महोत्सव को आकर्षित एवं दिव्य स्वरुप प्रदान किया गया। जिसको देखने के लिए हजारों लोगों द्वारा देखा गया। महोत्सव के मुख्य यजमान माता-पिता विनोद जैन,बेबी जैन, सहित अंकित जैन,मानसी जैन,आगम जैन,सिल्पी जैन,संयम जैन, रूपाली जैन,बसौरभ जैन, विनीता जैन, वीरेंद्र जैन सहित आयोजन सदस्य पवन जैन,बसुमत जैन, अभव जैन,अरूण जैन, वीरेंद्र जैन, संजीव जैन, इंद्रेश जैन, नागेंद्र कुमार जैन, सत्येंद्र कुमार जैन, अवनीश जैन, विकास जैन, अरविंद जैन, मोतीलाल जैन, अशोक कुमार जैन,रूपेश जैन चक्रेश जैन, प्रशांत जैन सहित सामाजिक एवं क्षेत्रीय लोग शामिल हुए।

क्या सार्वजनिक होंगे मतदाता सूची से हटाये गये नाम

नवभारत न्यूज

पन्ना 1 मार्च। एसआईआर के बाद अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जा चुका है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चलाये गये अभियान के बाद मतदाता सूची का अंतिम प्रशासन कर दिया गया। बताया जा रहा है कि जिनके नाम हटाये गये वे या अपात्र मतदाता थे? क्या वे ऐसे मतदाता थे जो मौके पर मिले नहीं?

क्या वे ऐसे मतदाता थे जो दोहरे मतदाता के रूप में दर्ज थे? क्या वे ऐसे मतदाता थे जो मृत हो चुके थे? अथवा ऐसे सभी तरह के मतदता थे? सवाल तो यह भी है कि यदि वे पात्र मतदाता थे और किन्ही कारणों से वे जिले से बाहर थे, मौके पर नहीं मिल पाये, दावा आपत्ति नहीं कर पाये तो क्या भविष्य में होने वाले पुनरीक्षण में उनके नाम पुन: नहीं जुड़ पायेंगे? किन्तु हटाये गये मतदाताओं का वर्गीकृत डाटा अभी तक प्रकाश में नहीं आया है? जबकि प्रशासन यदि एसआईआर के बाद सभी पात्र मतदाताओं की संख्या एवं सूचियां सार्वजनिक कर रहा है तो उसे हटाये गये मतदाताओं की सूचियां एवं संख्यात्मक आंकड़ा सार्वजनिक करना चाहिये।

कई वर्षो से कर रहे थे मतदान?:- जिन मतदाताओं के नाम हटाये गये हैं वे यदि लंबे समय से विभिन्न मतदान केन्द्रों में मतदान कर रहे थे तो यह भी सही है कि वे चुनावों को भी प्रभावित कर रहे थे। यदि यह भी मान लिया जाय कि हर विधानसभा में औसत दस हजार मतदाता अपात्र दर्ज थे तो इसका दूसरा अर्थ यह भी है कि ऐसे मतदाताओं में अधिकांश मतदान हर चुनावों में करते थे। जिससे चुनाव भी प्रभावित होता था। यदि कोई प्रत्याशी दस पांच हजार के अंतर से हारता था या जीतता तो उसमें इन मतदाताओं का रोल भी रहा होगा। हालांकि इस बात की जांच नहीं हो सकती किन्तु इस पर विचार जरूर किया जा सकता है और सवाल जरूर उठाये जा सकते हैं। लिहाजा ऐसे हटाये गये मतदाताओं की सूची सार्वजनिक होनी चाहिये ताकि आम मतदाता भी यह जान सके कि ऐसे मतदाता कौन थे जो अपात्र के रूप मे कई वर्षो से मतदाता सूचियों में दर्ज थे?

क्या सार्वजनिक हो पायेगी सूची?

जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से हटा दिये गये क्या उनकी सूची सार्वजनिक हो पायेगी? क्या हटाये गये मतदाताओं की सूची सार्वजनिक नही की जानी चाहिये? जब दवा आपत्तियों के बाद इस तरह का निर्णय लिया गया और सपूर्ण जानकारी एसआईआर में जुटाई गई तो हटाये गये मतदाताओं के नाम सार्वजनिक करने में निर्वाचन आयोग को परहेज क्यों है? अपात्र मतदाताओं के नाम सार्वजनिक करने से एक फायदा यह भी हो सकता है कि भविष्य में वे यदि दोबारा प्रयास करते हैं तो उनके खिलाफ शिकायतें हो सकती हैं? किन्तु आंकड़ा एवं सूची सार्वजनिक नहीं होने वास्तविक स्थिति साफनहीं होगी। लिहाजा हटाये गये मतदाताओं को लेकर लगातार सवाल उठते रहेंगे।

छत्रसाल महाविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 का आयोजन

नवभारत न्यूज

पन्ना 1 मार्च। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस छत्रसाल महाविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 के अवसर पर थीम पर दो दिवसीय कार्यक्रम का भव्य एवं सफल आयोजन महाविद्यालय के मुख्य सभागार में संपन्न हुआ। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. एस. डी. चतुर्वेदी के संरक्षण एवं गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की रूपरेखा पर डॉ. एन. के. पटेल ने प्रकाश डाला, जबकि स्वागत भाषण के माध्यम से डॉ. आर. एम. दत्ता ने सभी अतिथियों का अभिनंदन किया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. एस. डी. चतुर्वेदी ने विज्ञान के मूल सिद्धांतों को व्यवहारिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक दृष्टिकोण से समझाते हुए वैज्ञानिक सोच अपनाने पर विशेष जोर दिया। द्वितीय टेक्निकल सेशन में कृषि विज्ञान केंद्र पन्ना से पधारे डॉ. पी. एन. त्रिपाठी ने अपने व्याख्यान एवं पीपीटी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से रमन प्रभाव की वैज्ञानिक व्याख्या की। साथ ही विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती सक्रियता तथा कृषि क्षेत्र में ड्रोन द्वारा दवा के छिड़काव हेतु महिलाओं के प्रशिक्षण कार्यक्रम की जानकारी दी। विशिष्ट अतिथि एवं वक्ता, पॉलिटेक्निक कॉलेज से इंजीनियर उत्कर्ष श्रीवास्तव ने इंटरनेट, साइबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं विकसित भारत 2047 की परिकल्पना पर विस्तार से चर्चा करते हुए भविष्य की तकनीकों के स्वरूप को सरल शब्दों में समझाया।

जेके सीमेंट वर्क्स पन्ना में वॉलीबॉल टूर्नामेंट 2026 का समापन

नवभारत न्यूज

पन्ना 1 मार्च। जेके सीमेंट वर्क्स टाउनशिप, पन्ना में आयोजित वार्षिक इंट्रा-प्लांट वॉलीबॉल टूर्नामेंट 2026 का शानदार समापन खेल कौशल और टीम वर्क के बेहतरीन प्रदर्शन के साथ हुआ।

पांच दिवसीय इस आयोजन में 6 प्रतिस्पर्धी टीमों ने भाग लिया और बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों और कर्मचारियों ने अपने साथियों का उत्साहवर्धन किया। एक रोमांचक फाइनल मैच में, अवनेश गौतम (एचआर हेड) के मार्गदर्शन में जेके अटैकर्स टीम ने असाधारण कौशल का प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट जीता और प्रतिष्ठित ट्रॉफी अपने नाम की। मनोज मदन के मार्गदर्शन में जेके सेटर्स टीम ने भी कड़ी टक्कर दी और टूर्नामेंट में उपविजेता रही।

पुरस्कारों का वितरण भव्य समारोह में मुख्य अतिथि कपिल अग्रवाल (यूनिट प्रमुख, जेके सीमेंट पन्ना) द्वारा किया गया। उन्होंने विजेताओं और प्रतिभागियों दोनों को बधाई दी और कहा कि ऐसे आयोजन जेके सीमेंट परिवार के बंधन को मजबूत करते हैं।

रोजगार मेला में 55 आवेदक चयनित

नवभारत न्यूज

पन्ना 1 मार्च। जिला रोजगार कार्यालय पन्ना द्वारा गत दिवस शासकीय आईटीआई पन्ना में जिला स्तरीय रोजगार एवं अप्रेंटिस मेला का आयोजन किया गया।

जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के कुल 185 आवेदकों द्वारा रोजगार मेले में पंजीयन करवाया गया। चार निजी कंपनियों के प्रतिनिधियों ने साक्षात्कार के माध्यम से 55 आवेदकों का चयन किया।

एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस पन्ना में 9, क्योस कॉर्प प्रा.लि. अहमदाबाद में 16, आईपीएस ग्रुप सतना में 19 तथा एलआईसी पन्ना में 11 आवेदको का चयन किया गया।

दाम पुराने पटरी पर लौटे गुटखा का वजन घटा

नवभारत न्यूज

पन्ना 1 मार्च। विगत कई दिनों से पान मसाला, गुटखा और सिगरेट की कालाबाजारी जोरों पर है। अब जो गुटखा दस रूपये का था वह उसी रेट पर मिलने लगा है ऐसा ही 20 और 40 वाले पाउच पर दिखा कहीं दस तो कहीं पांच रूपये अधिक वसूले जा रहे थे। इस सबके बीच विभाग तो कार्रवाई के लिए सक्रिय नहीं हो पाए पर व्यापारियों ने नया दांव खेल दिया।

मसाला वही है बस वजन मे अंतर आ गया है। उसी दाम पर पहले से कम वजन भर्ती वाला पाउच मिल रहा है। बचे पुराने माल को अभी भी बढ़े हुए दाम पर खपाया जा रहा है। कुछ जगह पर पुराने दाम नए पाउच पर भी वसूले जा रहे हैं। बदली पैकिंग को देखकर लोग भी हैरान है। वहीं अगर कुछ लोगों की माने तो इस बीच बाजार में नकली माल भी उतर चुका है जो लोग शौकीन हैं वे बताते हैं कि इसके स्वाद मे ज्यादा अंतर आया है। दाम तो कम हुए पर स्वाद और वजन बदल गया। तीन दिन पहले तक होलसेलर पुराने स्टॉक के पान मसाला, गुटखा और सिगरेट पर भी अधिक दाम वसूल रहे थे। छोटे दुकानदारों का कहना है कि होलसेलर उन्हें तय रेट से ज्यादा कीमत पर सामान बेच रहे थे। इस कारण छोटे दुकानदारों को भी ग्राहकों पर एक दो रूपये अधिक वसूलने पड रहे थे। ग्राहकों में इसे लेकर भारी रोष देखा गया है, खासकर पुराने स्टॉक को भी नए बढ़े हुए दामों पर बेचे जाने का वे विरोध करते रहे। इसके बाद भी कुछ नहीं हुआ।

वहीं रिटेलर दुकानदार ने बताया कि छोटी गोल्ड फ्लैक सिगरेट का प्रिंट 95 रूपये है और कमला पसंद का पैकेट 165 रूपये है जबकि राजश्री का 185 रूपये है। जिसके एवरेज में होलसेलर गोल्ड फ्लेक्स सिगरेट 110 रूपये और कमला पसंद 195 रूपये से लेकर 200 जबकि राजश्री 220 रूपये पैकेट रिटेल दुकानदारों को दे रहे हैं। जब ग्राहक द्वारा इसे लिया जाता है। तो इसकी कीमत रिटेल दुकानदारों द्वारा 2 बढ़ा कर दी जाती है ऐसे में एक सिगरेट की डिब्बी पर होलसेलर 15 कमा रहे हैं। ऐसे में पूरी ब्लैक मनी वह अपनी जेब मे रखते हैं। और इसका खामियाजा रिटेल दुकानदार और ग्राहक को भरना पड़ता है। इस पूरे मामले को लेकर जिले के संबंधित विभाग के अधिकारी से बात की गई तो उन्होंने मामले की जांच कर कार्यवाही करने की बात कही थी। कार्रवाई होती इसके पहले मार्केट में नया स्टॉक आ गया है। अब हम पुराने रेट पर खरीदे माल को लेकर फंस गए हैं। एक ही ब्रांड के दो दामों को लेकर रोज हुज्जत हो रही है। नए और पुराने स्टॉक में स्वाद और उसके वजन को लेकर भारी अंतर आया है। रिटेलर और उपभोक्ता दोनों परेशान हैं।

जन आक्रोश आंदोलन में जातिगत नफरत फैलाने वाले लोगों पर कार्रवाई की मांग

नवभारत न्यूज

पन्ना 1 मार्च। अजय पाल स्टेडियम में गत जन आक्रोश आंदोलन में देश की राष्ट्रपति के नाम एक संबोधित ज्ञापन स्थानीय तहसीलदार सुरेंद्र अहिरवार को दिया गया ज्ञापन के माध्यम से राष्ट्रपति से निवेदन किया गया कि यूजीसी कानून छात्रों के लिए विभाजन कार्य कानून है काला कानून है।

छात्रों के बीच में राजनीति नहीं होनी चाहिए छात्रों के बीच में भेदभाव नहीं होना चाहिए जो भी व्यक्ति चाहे प्रोफेसर हो या छात्रों किसी भी छात्र के साथ भेदभाव करें उसे पर कार्रवाई की जानी चाहिए विश्वविद्यालय और कॉलेज में पढ़ाई का स्तर सुधारा जाना चाहिए सभी छात्रों के साथ एक जैसा व्यवहार होना चाहिए क्योंकि छात्र-छात्राएं हमारे देश का भविष्य है उनके दिल दिमाग में जातिवादी विचार नहीं डालना चाहिए ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि अभी तक एक जाति विशेष की बेटियों के बारे में अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने वाला आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा पर कोई कार्रवाई नहीं की गई जिसके ऊपर कारवाई आवश्यक है मध्य प्रदेश का शांतिपूर्ण माहौल बिगड़ता वाले व्यक्तियों और संगठनों पर भी कार्रवाई की जाए जातिगत नारेबाजी करने वाले लोगों पर कठोर कार्रवाई की जाए धर्म ग्रंथो को जलाने वाले व्यक्तियों पर कठोर कार्रवाई की जाए अभी हाल ही में सीधी जिले में एक पुजारी की जातिगत दुर्भावना के कारण निर्मम हत्या कर दी जाती है हत्यारे को फांसी की सजा दी जाए और पुजारी के परिजनों की आर्थिक मदद की जाए सोशल मीडिया का दुरुपयोग रोका जाए सोशल मीडिया में सनातन हिंदू धर्म की देवी देवताओं के बारे में साधु संतों के बारे में अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया जाता है भगवान राम को काल्पनिक बताया जाता है भगवान श्री कृष्ण को काल्पनिक बताया जाता है इस तरह की पोस्ट डालने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाए कुछ व्यक्ति साधु संतों पर अपमानजनक भाषा का प्रयोग करते हैं जातिगत विरोधी अपमानजनक नारेबाजी का प्रयोग करते हैं उन पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के अंतर्गत कार्रवाई की जाए आर डी प्रजापति और दामोदर यादव जैसे व्यक्ति जो निरंतर प्रदेश में जातिगत विरोध पैदा कर रहे हैं समाज में जातिगत दंगा करने का प्रयास करते हैं उनकी सभाओं को प्रतिबंधित किया जाए और सोशल मीडिया में उनके द्वारा जो पोस्ट डाली जाती है उसकी जांच करके उनके ऊपर कारवाई की जाए।

इस अवसर पर रामेश्वर प्रसाद खरे बाबू प्रसाद तिवारी दादूराम मिश्रा भगवान दिन मलखान सिंह नवीन श्रीवास्तव वीरेंद्र सिंह भोला प्रसाद गौतम गणेश प्रसाद अवस्थी सारंगधर द्विवेदी कौशल किशोर पाठक राम शिरोमणि शुक्ला कमलेश द्विवेदी उमेश मिश्रा सहित अन्य कई क्षेत्रीय प्रतिष्ठित जन मौजूद रहे।

पाइपलाइन के लिए पुरानी पाइप लाइन तोड़ दी

गुनौर/पन्ना 1 मार्च। हर घर नल जल योजना के तहत नगर परिषद गुनौर में घरों में पानी भले ही नहीं पहुंच रहा। किंतु कई गलियां ऐसी है जहां पर पाइप लाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़क में वर्षों से आरसीसी नहीं हो पायी है। जिसमें लोगों को निकालने में परेशानी होती है इसके लिए कौन जिम्मेदार है यह जनता नगर परिषद के जिम्मेदारों से जानना चाहती है। वार्ड नंबर 7 के साकेत नगर कॉलोनी से बालाजी मंदिर बायपास के लिए जाने वाली रोड में टावर के पास जो आरसीसी खोदकर पाइपलाइन डाली गई थी उसमें पाइप लाइन डालने के बाद आज तक आरसीसी नहीं की गई है इतने लंबे समय में ना तो जिम्मेदारों ने सुध ली।

वन क्षेत्रों में अग्नि बुझाने के दायित्व संबंधी निर्देश

नवभारत न्यूज

पन्ना 1 मार्च। अपर कलेक्टर मधुवंतराव धुर्वे द्वारा गर्मियों के मौसम में मार्च से जून माह की अवधि वन क्षेत्रों में अग्नि बुझाने के दायित्व संबंधी निर्देश जारी किए गए हैं।

इस संबंध में समस्त कार्यालय प्रमुखों सहित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार, जनपद पंचायत सीईओ तथा नगरीय निकायों के सीएमओ को अवगत कराया गया है। बताया गया है कि वन क्षेत्रों में गर्मी के मौसम में नमी ह्रास होने के कारण वन अग्नि की संभावना रहती है। वनकर्मियों द्वारा वन को आग से बचाने के प्रयास के बावजूद कई बार प्रचण्ड अग्नि के कारण सीमित संसाधनों की मदद से आग नियंत्रण में अत्यंत कठिनाई का सामना करना पड़ता है। भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 79 में यह प्रावधान है कि ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए संबंधित क्षेत्र में सरकार द्वारा नियुक्त हर व्यक्ति वनों में किसी वन अग्नि को बुझाने अथवा वनों के समीप आग को वन में फैलने से रोकने के लिए वनकर्मियों की यथासंभव सहायता के लिए बाध्य होंगे। लापरवाही पर कारावास अथवा जुर्माना या दोनों सजाओं का प्रावधान है। प्रसारित निर्देशों के संबंध में सभी पटवारी, पंचायत सचिव, प्राथमिक शाला शिक्षक, रोजगार सहायक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, कोटवार सहित अन्य सभी मैदानी शासकीय कर्मचारियों को भी अवगत कराने के लिए कहा गया है।

अमानगंज एवं शाहनगर थाना क्षेत्र में बकरी चोरी करने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार

नवभारत न्यूज

पन्ना 1 मार्च। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में पन्ना पुलिस द्वारा अमानगंज थाना क्षेत्र के नयागंव ग्राम मे घर की दीवार तोड़कर बकरी चोरी की गंभीर वारदात एवं शाहनगर थाना क्षेत्र के ग्राम धौवापुरा के जंगल मे चरवाहा को बंधक बनाकर बकरी लूटने वाली घटनाओं का खुलासा करते हुए अंतर्राज्यीय 03 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

हासिल जानकारी के अनुसार दिनांक 16 जनवरी को फरियादी अखिलेश प्रजापति निवासी नयागांव मौहार द्वारा थाना उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि दिनांक 15 जनवरी की शाम पशुओं को घर के पास बने (बाड़े) में बंद किया था। दिनांक 16 जनवरी को सुबह करीब 03.00 बजे सार में जाकर देखने पर 10 बकरी एवं 05 बकरे कुल 15 नग बकरी/बकरे नही मिले तथा सार की पीछे की दीवार टूटी हुई मिली। साथ ही दिनांक 18 जनवरी को शाहनगर थाना क्षेत्र के ग्राम धौवापुरा क्षेत्र के जंगल मे बकरी चरवाहा के साथ मारपीट कर गमछा से बंदक बनाकर बकरी लूटने की घटना की रिपोर्ट फरियादी द्वारा की गई थी जिस पर थाना शहनगर मे लूट का अपराध पंजीबद्ध किया गया था। थाना प्रभारी अमानगंज उनि रवि सिंह जादौन के नेतृत्व मे गठित पुलिस टीम द्वारा दबिश देकर महोबा उ.प्र के 03 संदिग्घ आरोपियों को अमानगंज थाना क्षेत्र से अभिरक्षा मे लिया गया। पुलिस टीम द्वारा आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ किये जाने पर आरोपियों द्वारा बताया गया कि आरोपी दिनांक 15-16 जनवरी की दरम्यानी रात्रि करीब 02.00 बजे नयागांव पहुंचे थे। गांव के छोर/किनारे पर बने मकान को चिन्हित कर आरोपियों ने पहले मकान के कमरों में सो रहे परिवारजनों के दरवाजों की बाहर से कुंडी लगा दी, जिससे कोई बाहर न निकल सके इसके पश्चात उनके द्वारा सब्बल की सहायता से सार की दीवार को तोड़कर बड़ी-बड़ी 10 बकरियां एवं 05 बकरे कुल 15 नग बकरा/बकरी चोरी कर मौके से फरार हो गये। एवं दिनांक 18 जनवरी को शाहनगर के धौवापुरा ग्राम के जंगल मे चरवाहा को बंधक बनाकर कुल 61 नग बकरी लूटने की घटना को स्वीकार किया गया। पुलिस टीम द्वारा आरोपियों से बकरियों के बारे पूछताछ करने पर बकरियों/बकरों को किसी अज्ञात व्यक्ति को बेच देना बताया गया। आरोपियों आरिफ मुसलमान पिता सागौन खान उम्र 32 साल, लाले खां पिता सागौन खान उम्र 31 साल दोनो निवासी रेलवे स्टेशन के पास कुलपहाड थाना कुल पहाड़ जिला महोबा उ.प्र., विक्की मुसलमान पिता नत्थू खान उम्र 32 साल निवासी ग्राम आलमपुरा चौकी सबाव थाना सिटी कोतवाली महोबा उ.प्र. को गिरफ्तार किया गया जिन्होंने पन्ना जिला सहित निवाड़ी एव अन्य जिलो मे वारदान किया जाना स्वीकार किया गया एवं अन्य वारदातों के संबंध में भी पूछताछ जारी है।

उक्त संपूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी शाहनगर परशराम डाबर, थाना प्रभारी अमानगंज रवि सिंह जादौन सहित उनकी पुलिस टीम सराहनीय योगदान रहा।